साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom Of Speech
RNI. NO. MPHIN/2015/76299
संपादक-नागेश नरवरिया
YP24 NEWS
जिले एवं तहसीलों में संवाददाता नियुक्त करना है संपर्क करें...
संपर्क करे- 9425156055
वर्ष-10 अंक-27 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 14 अगस्त 2026 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ-08 | मूल्य 2 रूपये

यदि विवाह के बाद कोई धर्म बदल ले तो क्या तलाक का आधार हो सकता है - THE HINDU MARRIAGE ACT, 1955

लेखक एडवोकेट बी. आर. अहिरवार (विधिक सलाहकार नर्मदापुरम) 9827737665

हिंदू मैरिज एक्ट 1955 केवल उसी विवाह संबंध पर लागू होता है जो विवाह हिंदू रीति रिवाज एवं विधि के अनुसार हुआ हो। विवाह के बाद यदि दंपति में से कोई एक अपना धर्म बदल देता है तो क्या इस परिवर्तन के कारण विवाह संबंध विच्छेद किया जा सकता है। आइए जानते हैं–

हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 13 (1)(ii) धर्म-परिवर्तन की परिभाषा–

विवाह विच्छेद (तलाक) का चौथा आधार होता है पति या पत्नी द्वारा धर्म का परिवर्तन कर लेना। अगर कोई व्यक्ति अपने धर्म को नहीं मानता है, विश्वास नहीं करता है, धर्म की आलोचना करता है, स्वयं नास्तिक जीवन व्यतीत करता है अथवा बोलता है कि उसने हिन्दू धर्म त्याग कर दिया गया हैं इसको धर्म परिवर्तन नहीं माना जायेगा। जब तक वह व्यक्ति विधि के अनुसार अन्य धर्म को ग्रहण नहीं कर लेता है।

धर्म-परिवर्तन में विवाह विच्छेद (तलाक) कब मान्य होगा–

कोई पति या पत्नी जब तक न्यायालय द्वारा तलाक या विवाह विच्छेद की डिक्री प्राप्त नहीं कर लेते हैं तब तक धर्म-परिवर्तन को तलाक नहीं माना जायेगा एवं वह पति-पत्नी बने रहते हैं।एम.सीता रामूलू बनाम एम. विमला– मामले में पत्नी ने विवाह के पश्चात ईसाई धर्म स्वीकार कर लिया था, न्यायालय में इसे विवाह-विच्छेद अर्थात तलाक का उचित आधार माना।

वन पर्यटन को विस्तार, देकर जनजातियों की बढ़ायें आय मध्यप्रदेश राज्य वन्य प्राणी बोर्ड की बैठक में निर्देश

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वन विभाग प्रदेश में तेजी से बढ़ रही पर्यटन संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए वन पर्यटन के विकास पर विशेष फोकस करें। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में जहाँ-जहाँ वन पर्यटन के विकास और विस्तार की सहज संभावनाएं उपलब्ध हैं, वहां वन विभाग पर्यटन विभाग के साथ समन्वय करें और ठोस कार्य योजना तैयार कर उस पर अमल करें। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की प्राकृतिक संपदा, जैव विविधता और वन्य प्राणी पर्यटन की अपार संभावनाएं प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार को मंत्रालय में मध्यप्रदेश राज्य वन्य प्राणी बोर्ड की 32वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से होम स्टे को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए कहा कि इससे स्थानीय लोगों, वनवासियों और जनजातीय परिवारों को अपने क्षेत्र में ही रोजगार और आमदनी के अतिरिक्त अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि वन पर्यटन का लाभ केवल पर्यटकों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि जंगलों के बीच और आसपास रहने वाले वनवासियों एवं जनजातीय परिवारों की समृद्धि का माध्यम भी बनना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पर्यटन गतिविधियों के विस्तार में स्थानीय समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। इससे एक ओर पर्यटकों को स्थानीय संस्कृति और परंपराओं को समझने का अवसर मिलेगा, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण एवं जनजातीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। दूसरे राज्यों से सतत् सम्पर्क में रहें, उनसे वयस्क और स्वस्थ वन्य प्राणियों का आदान-प्रदान करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि आंध्रप्रदेश, आसाम, कर्नाटका को मध्यप्रदेश में उपलब्ध बाघ देकर उनसे हाथी, गेंडे और अन्य वन्य प्राणी लिए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वन भूमि के उपयोग को लेकर अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वन भूमि में होने वाले किसी भी प्रयोजन के लिए डायवर्सन पर सख्त नजर रखी जाए। वन भूमि में अवैध उत्खनन कदापि न होने पाए। बैठक में प्रदेश के राष्ट्रीय उद्यानों और टाइगर रिजर्व क्षेत्रों में अधोसंरचना विकास तथा वन्य प्राणी संरक्षण से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। कुल 30 प्रस्ताव अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किए गए, बोर्ड ने विमर्श के बाद मंजूरी प्रदान कर दी। इनमें प्रदेश में स्थित राष्ट्रीय उद्यानों की परिधि में स्थित वन ग्रामों में सीसी रोड निर्माण, टाइगर रिजर्व में स्थित वन ग्रामों में पक्की सड़कों का निर्माण, राष्ट्रीय उद्यान एवं टाइगर रिजर्व क्षेत्रों में मोबाइल टॉवर्स की स्थापना, उप स्वास्थ्य केंद्रों का निर्माण, विद्युत लाइन बिछाने सहित अन्य आवश्यक निर्माण कार्यों से संबंधित अनुमोदन प्रस्ताव शामिल थे। मुख्यमंत्री राष्ट्रीय उद्यानों और टाइगर रिजर्व की परिधि में मौजूद वन ग्रामों में कोई भी निर्माण या विकास कार्य आबादी को विश्वास में लेकर ही किया जाये। विकास और संरक्षण के बीच बराबर संतुलन बनाए रखते हुए वन सम्पदा की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। मानव और वन्य प्राणी में किसी प्रकार का संघर्ष ना हो। उन्होंने कहा कि यह जरूरी है कि वन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की मूलभूत सुविधाओं का विस्तार करते हुए यह भी सुनिश्चित किया जाए कि विकास कार्यों से वन और वन्य प्राणियों के संरक्षण पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। पर्यटन गतिविधियों के विस्तार में स्थानीय समुदाय की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाए। वन्य प्राणी बोर्ड में विशेषज्ञ सेवाएं देने के लिए केन्द्र सरकार और राज्य के पुरातत्व विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को भी विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में शामिल किया जाए।

कम्पनी रजिस्ट्रेशन में दस्तावेजों का सत्यापन नहीं करने वाले अधिकारी के खिलाफ क्या कार्रवाई होती है

लेखक एडवोकेट बी. आर. अहिरवार (विधिक सलाहकार नर्मदापुरम) 9827737665

किसी भी कंपनी अर्थात फर्मो के रजिस्ट्रेशन के लिए पर्याप्त दस्तावेज होना आवश्यक होता है। अगर कोई फर्जी दस्तावेजों द्वारा किसी कम्पनी का रजिस्ट्रेशन करवा लेता है, तो ऐसे व्यक्ति पर मध्यप्रदेश में मध्यप्रदेश विनिर्दिष्ट भ्रष्ट आचरण अधिनियम,1982 की धारा 20 के अंतर्गत अपराध दर्ज होगा लेकिन अगर कम्पनी के रजिस्ट्रेशन करने वाले अधिकारी को पता है कि दस्तावेज फर्जी है, उसके बाद भी वह रजिस्ट्रेशन कर देता है तब ऐसे अधिकारी पर क्या कार्यवाही होगी जानिए।

मध्यप्रदेश विनिर्दिष्ट भ्रष्ट आचरण निवारण अधिनियम,1982 की धारा 21 की परिभाषा

जो कोई व्यक्ति अधिकारी होते हुए सम्पूर्ण जाँच किए बिना या यह जानते हुए की कंपनी रजिस्ट्रेशन के लिए लगाएं गए दस्तावेज झूठे एवं मिथ्या है और किसी फर्म का रजिस्ट्रेशन कर देता है तब वह व्यक्ति उपर्युक्त अधिनियम की धारा 21 के अंतर्गत दोषी होगा।

Madhya Pradesh Specified Corrupt Practices Prevention Act, 1982 Section 21 Punishment

यह अपराध संज्ञेय एवं जमानतीय अपराध है,पुलिस अधिकारी तुरंत एफआईआर द्वारा मामले का संज्ञान लेगा, इनका विचारण किसी भी न्यायिक मजिस्ट्रेट या सेशन कोर्ट द्वारा किया जा सकता है सजा- इस अपराध के लिए अधिकतम तीन वर्ष की कारावास या जुर्माने या दोनो से दण्डित किया जा सकता है।

पद्मश्री डॉ बाफना को 'छत्तीसगढ़ रत्न' सम्मान

राजनांदगाँव.

गत 2अगस्त को रायपुर मे ÷हेल्पिंग हैंडस फाउंडेशन ÷ द्वारा केंद्रीय मंत्री श्री तोखन साहू के मुख्य अतिथ्य में पद्मश्री डॉ. पुखराज बाफना को उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिए ÷छत्तीसगढ़ रत्न सम्मान ÷से नवाज़ा गया. आदिवासी बच्चों के स्वास्थ्य पर शोध, पांच दशकों से अनवरत स्वास्थ्य स्तम्भ का लेखन, बच्चों, किशोरों के दमा पर योग के प्रभाव पर डॉक्टरेट, अंधत्व व कुपोषण निवारण पर जन सेवा, अनेको मेडिकल ग्रंथो में अध्याय, राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भागीदारी, तीन विश्व रिकार्ड्स धारक तथा पद्मश्री सहित अनेकों पुरस्कारों से अलंकृत डॉ बाफना को यह सम्मान मेकाहारा के खचाखच भरे सभा भवन में अनेक विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में प्रदान किया गया.

उपरोक्त जानकारी संस्था के प्रदेश अध्यक्ष श्री अंकित अग्रवाल ने प्रेषित की.

YP24 NEWS
समस्त देशवासियों को
15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाएं
आइए, इस स्वतंत्रता दिवस पर
देश की एकता, अखंडता और समृद्धि के लिए
मिलकर आगे बढ़ने का संकल्प लें।
जय हिंद वंदे मातरम्
शुभकामनाएं
अजय रघुवंशी
जि. अध्यक्ष भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन
NSUI जिला रायसेन

YP24 NEWS
समस्त देशवासियों को
15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाएं
आइए, इस स्वतंत्रता दिवस पर
देश की एकता, अखंडता और समृद्धि के लिए
मिलकर आगे बढ़ने का संकल्प लें।
जय हिंद वंदे मातरम्
शुभकामनाएं
वैजनाथ सिंह ईमने
अधीक्षक सिनियर वा.छा.उदयपुरा

YP24 NEWS
समस्त देशवासियों को
15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाएं
आइए, इस स्वतंत्रता दिवस पर
देश की एकता, अखंडता और समृद्धि के लिए
मिलकर आगे बढ़ने का संकल्प लें।
जय हिंद वंदे मातरम्
शुभकामनाएं
श्रीमति रामबाई/ अजब सिंह
सचिव गोविन्द सिंह लोधी
सरपंच,ग्राम पंचायत टिमरावन

YP24 NEWS
समस्त देशवासियों को
15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाएं
आइए, इस स्वतंत्रता दिवस पर
देश की एकता, अखंडता और समृद्धि के लिए
मिलकर आगे बढ़ने का संकल्प लें।
जय हिंद वंदे मातरम्
शुभकामनाएं
आचार्य भाव सिंह मांडरे
शिक्षक,व्याख्याता बरेली

YP24 NEWS
समस्त देशवासियों को
15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाएं
आइए, इस स्वतंत्रता दिवस पर
देश की एकता, अखंडता और समृद्धि के लिए
मिलकर आगे बढ़ने का संकल्प लें।
जय हिंद वंदे मातरम्
शुभकामनाएं
श्रीमति किरण/ देवेन्द्र पटेल
सरपंच ग्राम पंचायत टीकली

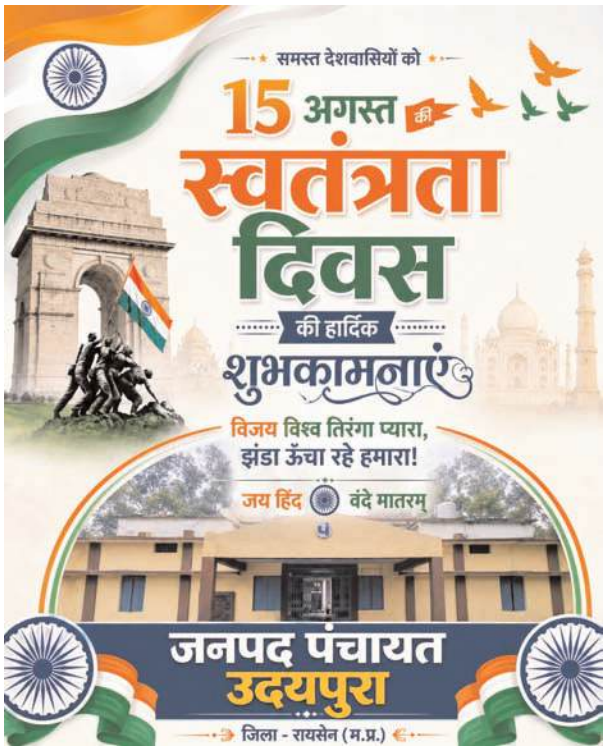
समस्त देशवासियों को
15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाएं
विजय विश्व तिरंगा प्यारा,
झंडा ऊँचा रहे हमारा!
जय हिंद वंदे मातरम्
जनपद पंचायत
उदयपुरा
जिला - रायसेन (म.प्र.)

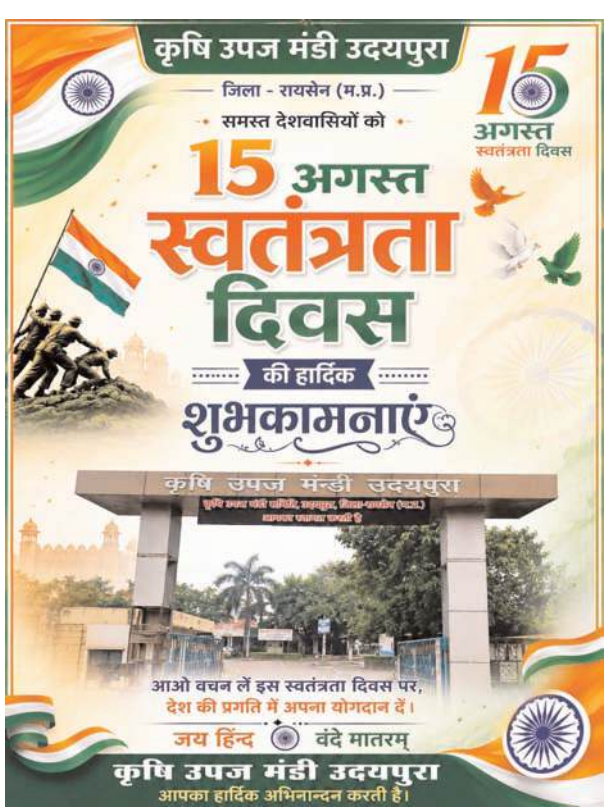
कृषि उपज मंडी उदयपुरा
जिला - रायसेन (म.प्र.)
समस्त देशवासियों को
15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाएं
कृषि उपज मंडी उदयपुरा
आओ वचन लें इस स्वतंत्रता दिवस पर,
देश की प्रगति में अपना योगदान दें।
जय हिंद वंदे मातरम्
कृषि उपज मंडी उदयपुरा
आपका हार्दिक अभिनन्दन करती है।

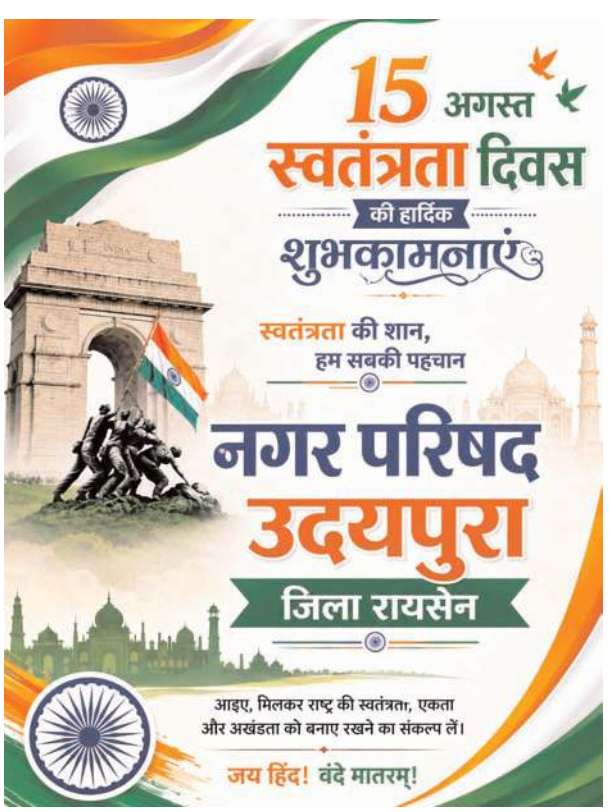
15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाएं
स्वतंत्रता की शान,
हम सबकी पहचान
नगर परिषद
उदयपुरा
जिला रायसेन
आइए, मिलकर राष्ट्र की स्वतंत्रता, एकता
और अखंडता को बनाए रखने का संकल्प लें।
जय हिंद! वंदे मातरम्!

YP24 NEWS
समस्त देशवासियों को
15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाएं
विजय विश्व तिरंगा प्यारा
झंडा ऊंचा रहे हमारा!
जय हिंद वंदे मातरम्
निवेदक
संतोष गुर्जर
सरपंच प्रतिनिधि
रमन बामने
सचिव
ग्राम पंचायत छातेर

15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस
अध्यक्ष
श्रीमती पार्वती सिंह
अमरकंटक नगर परिषद
समस्त नगरवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं.

समस्त ग्रामवासियों को
78वां
15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
सिथलेश गुप्ता
सहायक सचिव
ग्राम पंचायत दरैन
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
जय हिन्द! जय भारत!

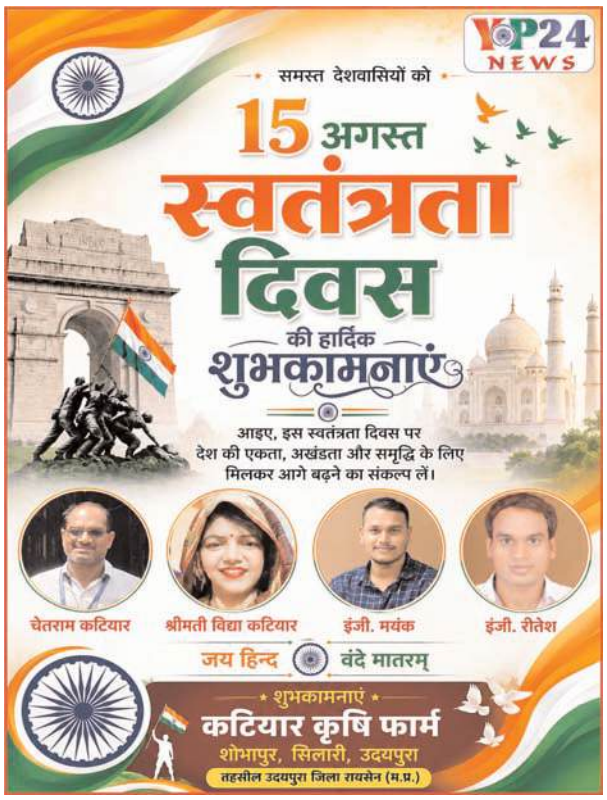
YP24 NEWS
समस्त देशवासियों को
15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
आइए, इस स्वतंत्रता दिवस पर
देश की एकता, अखंडता और समृद्धि के लिए
मिलकर आगे बढ़ने का संकल्प लें।
चेतराम कटियार
श्रीमती विद्या कटियार
इंजी. मयंक
इंजी. रीतेश
जय हिन्द वंदे मातरम्
शुभकामनाएं
कटियार कृषि फार्म
शोभापुर, सिलारी, उदयपुरा
तहसील उदयपुरा जिला रायसेन (म.प्र.)

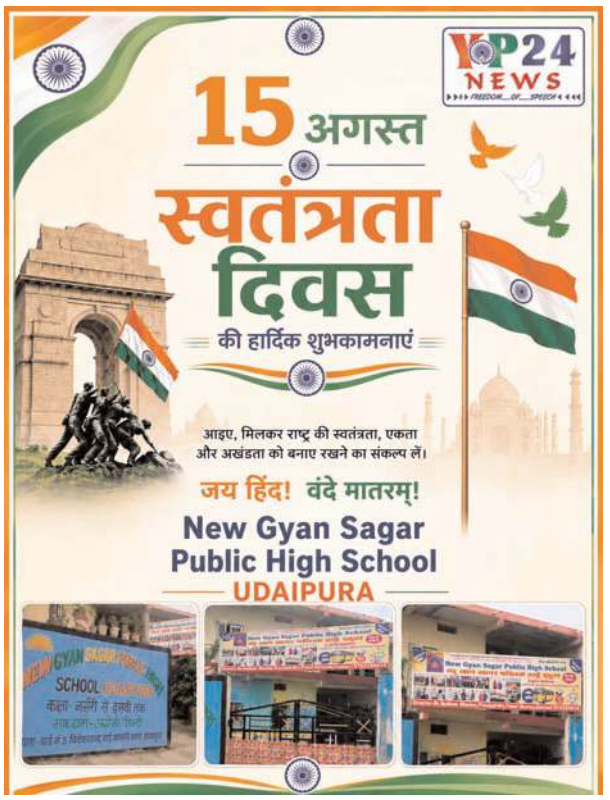
YP24 NEWS
15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
आइए, मिलकर राष्ट्र की स्वतंत्रता, एकता
और अखंडता को बनाए रखने का संकल्प लें।
जय हिंद! वंदे मातरम्!
New Gyan Sagar
Public High School
UDAIPURA

YP24 NEWS
समस्त देशवासियों को
15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाएं
विजय विश्व तिरंगा प्यारा
झंडा ऊंचा रहे हमारा!
जय हिंद वंदे मातरम्
शुभकामनाएं
सौ - सेंट थॉमस स्कूल
सिलारी कलॉ उदयपुरा जि.रायसेन

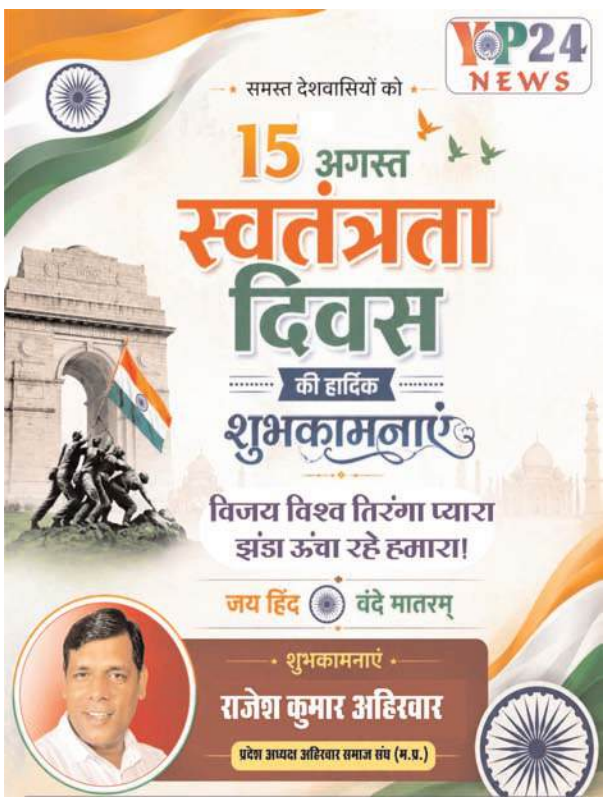
YP24 NEWS
समस्त देशवासियों को
15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाएं
विजय विश्व तिरंगा प्यारा
झंडा ऊंचा रहे हमारा!
जय हिंद वंदे मातरम्
शुभकामनाएं
राजेश कुमार अहिरवार
प्रदेश अध्यक्ष अहिरवार समाज संघ (म.प्र.)

YP24 NEWS
समस्त देशवासियों को
15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाएं
आइए, इस स्वतंत्रता दिवस पर
देश की एकता, अखंडता और समृद्धि के लिए
मिलकर आगे बढ़ने का संकल्प लें।
जय हिंद वंदे मातरम्
शुभकामनाएं
देवेन्द्र विश्वकर्मा
प्राचार्य शा.माध्यमिक शाला इटुआ

YP24 NEWS
समस्त देशवासियों को
15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाएं
विजय विश्व तिरंगा प्यारा
झंडा ऊंचा रहे हमारा!
जय हिंद वंदे मातरम्
शुभकामनाएं
सत्येन्द्र कुमार आठिया
पुस्तकालयाध्यक्ष
शा. महाविद्यालय खिमलासा जि. सागर (म.प्र.)

समाज सुधार में कथनी और करनी की एकरूपता जरूरी : अहिरवार समाज के बीच उठे सवाल

भोपाल।

अहिरवार समाज में मृत्यु भोज एवं अन्य सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने को लेकर समाज के बीच एक महत्वपूर्ण सवाल उठाया गया है। समाज के पूर्व संस्थापक चौधरी अमान सिंह नरवरिया द्वारा सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ लगातार बात किए जाने के संदर्भ में समाज के कुछ लोगों ने उनकी कथनी और करनी में एकरूपता को लेकर सवाल खड़े किए हैं।

समाज के लोगों के अनुसार, चौधरी अमान सिंह नरवरिया जी के चचेरे भाई के निधन के बाद तीसरे दिन रविदासिया धर्म संगठन के प्रचारक राधा कृष्ण भगोरिया जी को आमंत्रित कर अमृतवाणी पाठ कराया गया। इसे सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध सकारात्मक पहल के रूप में देखा गया। हालांकि, इसके बाद यदि परिवार में तेरहवीं एवं मृत्यु भोज का आयोजन किया गया है, तो समाज

के बीच यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि आखिर इससे समाज को क्या संदेश दिया जा रहा है।

समाज के लोगों का कहना है कि समाज सुधार की शुरुआत अपने घर और परिवार से होनी चाहिए। केवल मंचों से कुरीतियों के खिलाफ भाषण देने से सामाजिक बदलाव संभव नहीं है। जब तक सामाजिक नेतृत्व स्वयं अपने जीवन और परिवार में बदलाव को लागू नहीं करेगा, तब तक समाज से उसी परिवर्तन की अपेक्षा करना कठिन होगा।

समाज में यह अपेक्षा की जाती है कि जो व्यक्ति सामाजिक सुधार की बात करता है, वह पहले स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करे। कथनी और करनी में समानता ही किसी भी सामाजिक आंदोलन की विश्वसनीयता को मजबूत करती है।

समाज को केवल भाषण नहीं, व्यवहार चाहिए।

कथनी नहीं, करनी चाहिए।

यह सवाल किसी व्यक्ति विशेष के विरोध का नहीं, बल्कि समाज में वास्तविक सामाजिक सुधार और नेतृत्व की जवाबदेही का है। यदि हम मृत्यु भोज और अन्य कुरीतियों को समाप्त करना चाहते हैं, तो इसकी शुरुआत प्रत्येक परिवार और विशेष रूप से सामाजिक नेतृत्व से होनी चाहिए।

अपनी धुन में खुशी के गीत गाते हैं
ये उस कौम के लोग हैं दोस्तो जो
गुरु की तस्वीर से हुनर सीख जाते हैं
अपनी अद्भुत लोक-कला, समृद्ध परंपराओं और सहज जीवनशैली से धरा को संवारने वाले आदिवासी भाई-बहनों को विश्व आदिवासी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।
हम सभी को इस अवसर पर जनजातीय समाज के सम्मान और गौरव को अक्षुण्ण रखने का संकल्प लेना चाहिए।
जय भीम जय जोहार

महंगाई के दौर में दिव्यांग पेंशन पर पुनर्विचार जरूरी : क्या 600 रुपये प्रतिमाह सम्मानजनक जीवन के लिए पर्याप्त हैं?

किसी भी लोकतांत्रिक और कल्याणकारी राज्य की संवेदनशीलता का आकलन इस बात से किया जाता है कि वह अपने सबसे कमजोर और जरूरतमंद नागरिकों के जीवन को कितना सुरक्षित और सम्मानजनक बना पाता है। दिव्यांगजन समाज का ऐसा ही एक वर्ग हैं, जिनके सामने जीवन की चुनौतियाँ सामान्य नागरिकों की अपेक्षा कहीं अधिक कठिन होती हैं। ऐसे में सामाजिक सुरक्षा पेंशन उनके लिए महज आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि जीवन का सहारा होती है।मध्यप्रदेश में वर्तमान में दिव्यांगजनों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन के रूप में मात्र 600 रूपये प्रतिमाह प्रदान किए जाते हैं। यह राशि उस समय निर्धारित की गई थी जब जीवन-यापन की लागत अपेक्षाकृत कम थी, किंतु आज बढ़ती महंगाई, स्वास्थ्य सेवाओं के खर्च, दवाइयों की कीमतों, सहायक उपकरणों तथा परिवहन व्यय को देखते हुए 600 रूपये प्रतिमाह की राशि वास्तविक आवश्यकताओं के सामने अत्यंत नगण्य प्रतीत होती है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या कोई व्यक्ति आज 20 रूपये प्रतिदिन से भी कम राशि में सम्मानजनक जीवन जी सकता है? यदि नहीं, तो फिर लाखों दिव्यांगजनों से ऐसी अपेक्षा कैसे की जा सकती है? देश के विभिन्न राज्यों ने समय के साथ इस वास्तविकता को स्वीकार किया है और अपनी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में उल्लेखनीय वृद्धि की है। हरियाणा सरकार ने दिव्यांग पेंशन को बढ़ाकर 3,200 रूपये

प्रतिमाह कर दिया है। वहीं तेलंगाना में सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत हजारों रुपये प्रतिमाह की सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। हिमाचल प्रदेश में भी दिव्यांगजनों को विभिन्न श्रेणियों के अनुसार 1150 से 1700 रूपये प्रतिमाह तक सहायता प्रदान की जा रही है। इसके विपरीत मध्यप्रदेश में 600 रूपये प्रतिमाह की राशि न केवल अन्य राज्यों की तुलना में बहुत कम है, बल्कि यह दिव्यांगजनों की वास्तविक आवश्यकताओं और गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार के अनुरूप भी नहीं है। दिव्यांगजन केवल आर्थिक रूप से ही नहीं, बल्कि सामाजिक और संरचनात्मक चुनौतियों से भी जूझते हैं। उन्हें नियमित चिकित्सा, विशेष उपकरण, पुनर्वास सेवाओं और कई मामलों में दूसरे व्यक्ति की सहायता की आवश्यकता होती है। ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले दिव्यांगजनों की स्थिति और भी चिंताजनक है, जहाँ स्वास्थ्य सुविधाएँ एवं रोजगार के अवसर सीमित हैं। भारतीय संविधान सामाजिक न्याय, समान अवसर और गरिमापूर्ण जीवन की गारंटी देता है। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 भी राज्य सरकारों पर यह नैतिक एवं संवैधानिक दायित्व डालता है कि वे दिव्यांगजनों को सम्मानपूर्वक जीवन जीने के लिए आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराएँ। ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ केवल औपचारिकता न बनकर वास्तविक सहायता का माध्यम बनें। आज आवश्यकता इस बात की है कि मध्यप्रदेश सरकार दिव्यांगजनों की सामाजिक सुरक्षा पेंशन को 600 रूपये से बढ़ाकर न्यूनतम 2000 रूपये प्रतिमाह तथा चरणबद्ध रूप से 2500 रूपये प्रतिमाह करने पर गंभीरता से विचार करे। यह केवल आर्थिक सहायता में वृद्धि नहीं होगी, बल्कि लाखों दिव्यांगजनों के सम्मान, आत्मनिर्भरता और सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। दिव्यांगजन किसी विशेष अनुग्रह के नहीं, बल्कि समान अधिकार और समान सम्मान के अधिकारी हैं। यदि अन्य राज्य अपने दिव्यांग नागरिकों को बेहतर सामाजिक सुरक्षा प्रदान कर सकते हैं, तो मध्यप्रदेश सरकार को भी इस दिशा में एक संवेदनशील और ऐतिहासिक निर्णय लेकर उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए। समय की मांग है कि दिव्यांगजनों की आवाज़ को सुना जाए और उनकी पेंशन को वर्तमान आर्थिक परिस्थितियों के अनुरूप बनाया जाए। क्योंकि किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति उसके सबसे कमजोर नागरिक के चेहरे पर दिखाई देने वाले सम्मान और आत्मविश्वास से मापी जाती है। दिव्यांगजनों को सहानुभूति नहीं, सम्मानजनक जीवन चाहिए और सम्मानजनक जीवन मात्र 600 रूपये प्रतिमाह में संभव नहीं है। आज आवश्यकता केवल नीतियों और घोषणाओं की नहीं, बल्कि ऐसे निर्णयों की भी है जो दिव्यांगजनों के जीवन में वास्तविक बदलाव ला सकें। एक संवेदनशील राज्य वही है, जो अपने सबसे कमजोर नागरिक के भविष्य को सुरक्षित करने का साहस रखता हो। दिव्यांग वर्ग बहुत आशा भरी निगाहों से मध्यप्रदेश शासन की ओर देख रहा है! उम्मीद है कि मध्यप्रदेश सरकार इस दिशा में एक सकारात्मक और मानवीय पहल करते हुए दिव्यांगजनों को सम्मानजनक जीवन जीने का सशक्त आधार प्रदान करेगा। दिव्यांगजनों की सामाजिक सुरक्षा पर किया गया प्रत्येक निवेश केवल एक कल्याणकारी व्यय ही नहीं बल्कि मानवीय गरिमा और सामाजिक न्याय के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता का प्रतीक होता है।

??÷कुमारी प्रियंका÷

[लेखिका- सामाजिक कार्यकर्ता-चिंतक]

नवांकुर सखी हरियाली यात्रा में 100 महिलाओं को किया पौधों का वितरण

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

उदयपुरा। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा चयनित नवांकुर संस्था तुंगभद्र सेवा समिति, नोनिया-बरेली के तत्वावधान में ग्राम उड़दमऊ में नवांकुर सखी हरियाली यात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन राम-जानकी मंदिर परिसर में किया गया।

कार्यक्रम के दौरान करीब 100 महिलाओं को पौधों का वितरण किया गया। महिलाओं ने इन पौधों को अपने-अपने घर-आंगन में रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश घर-घर पहुंचाने का संकल्प लिया। साथ ही 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत ग्राम उड़दमऊ में पौधारोपण भी किया गया।

आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और अधिक से अधिक लोगों को पौधारोपण के लिए प्रेरित करना है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम की सरपंच उपस्थित रहीं। इसके अलावा विकासखंड समन्वयक राममोहन रघुवंशी, नवांकुर संस्था से जगदीश नामदेव, लक्ष्मण सिंह राजपूत, सत्यपाल राजपूत, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति से रविंद्र रघुवंशी, जगदीश मेहरा, परामर्शदाता आदित्य मेहरा एवं निरंजन अहिरवार सहित ग्रामीण महिलाएं एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

अहिरवार समाज संघ मध्य प्रदेश का हुआ विस्तार, गुना जिला मुख्यालय पर बैठक हुई संपन्न

गुना, 09 अगस्त 2026 – अहिरवार समाज संघ मध्य प्रदेश (रजि. 38053/21) के विस्तार को लेकर आज गुना जिला मुख्यालय पर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पदाधिकारियों एवं समाज के गणमान्यजनों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष श्रद्धेय राजेश कुमार अहिरवार ने की।

बैठक में संघ का विस्तार करते हुए निम्न पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई-

- जिला अध्यक्ष - कन्हैयालाल अहिरवार
- कार्यकारी जिला अध्यक्ष - पंचू लाल अहिरवार
- युवा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष - गिरराज अहिरवार
- महिला प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष - हरिवाई अहिरवार
- संभागीय महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष - सविता अहिरवार

भोपाल से पधारे अतर सिंह भारतीय प्रदेश प्रवक्ता, डॉ. धर्मेंद्र अहिरवार युवा प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष, श्रीमती संतोषी सूर्यवंशी

महिला प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष, मंजू दीपंकर महिला प्रदेश सचिव तथा ग्वालियर संभाग अध्यक्ष भंवर लाल अहिरवार की सहमति से गुना जिले के सामाजिक कार्यकर्ताओं की उक्त पदों पर नियुक्ति की गई।

बैठक के मुख्य निर्णय

1. संगठन का विस्तार- अहिरवार समाज संघ को प्रदेश के सभी जिलों और ब्लॉकों तक मजबूत करने का निर्णय लिया गया।
2. नई कार्यकारिणी- गुना जिले की नई जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया। समाज के उत्थान, शिक्षा और रोजगार के मुद्दों पर काम करने का संकल्प लिया गया।
3. आगामी कार्यक्रम- समाज की एकजुटता के लिए शीघ्र ही प्रदेश स्तरीय महासम्मेलन आयोजित करने पर सहमति बनी।

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि समाज के युवाओं को शिक्षा, सरकारी योजनाओं और सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरूक करना संघ की प्राथमिकता रहेगी।

बैठक के अंत में सभी ने समाज की एकता और प्रगति के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

शासकीय महाविद्यालय खिमलासा में राष्ट्रीय लाइब्रेरियन दिवस का आयोजन

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

बीना/ शासकीय महाविद्यालय खिमलासा में प्राचार्य डॉ. पूर्वा सांगलिकर के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय लाइब्रेरियन दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को पुस्तकालय के महत्व एवं पुस्तकों के अध्ययन से होने वाले लाभों के बारे में जानकारी दी गई।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. पूर्वा सांगलिकर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पुस्तकालय ज्ञान का भंडार है। विद्यार्थियों को नियमित रूप से पुस्तकालय का उपयोग करते हुए पुस्तकों का अध्ययन करने की आदत विकसित करनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से निरंतर अध्ययन करते रहने का आह्वान किया।

महाविद्यालय के ग्रंथपाल सत्येन्द्र आठिया ने राष्ट्रीय लाइब्रेरियन दिवस के महत्व एवं पुस्तकालय विज्ञान के क्षेत्र में डॉ. एस. आर. रंगनाथन के योगदान पर प्रकाश डालते हुए महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. एल. एन. दुबे ने कहा कि पुस्तकालय केवल पुस्तकों का संग्रह नहीं, बल्कि ज्ञान, विचार और व्यक्तित्व निर्माण का केंद्र है। उन्होंने विद्यार्थियों से पुस्तकालय के कुछ मूल मंत्र सदैव याद रखने का आह्वान करते हुए कहा–

÷पुस्तकों से प्रेम ही जीवन को सँवारता है।÷

उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, पुस्तकों के प्रति सम्मान और ज्ञान के निरंतर अर्जन के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में डॉ. किरण जैन ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए पुस्तकालय एवं पठन-पाठन के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में डॉ. शाहबाज सुन्नी ने सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के प्रति धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर डॉ. प्रतिभा राज, डॉ. अशोक यादव, चंद्रभान साकेत, तरुण दीक्षित,डॉ जागृति त्रिपाठी,डॉ. रुपाली जैन, डॉ. शुभी जैन, डॉ. वंदना मीणा, डॉ. अनिल विश्वकर्मा दामोदर पटेल सहित महाविद्यालय का समस्त स्टाफ एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

साप्ताहिक समय सीमा बैठक आवेदनों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण करने के संभागायुक्त के निर्देश

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने निर्देश दिए हैं कि सभी संभागीय अधिकारी, मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान में आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं पारदर्शी निराकरण करें. इसके लिए आयोजित शिविर के पूर्व दिवस में निर्धारित क्षेत्र में लंबित सीएम हेल्पलाइन, लोक सेवा गारंटी के प्रकरण की तैयारी सुनिश्चित करें, ताकि जन विश्वास अभियान में अधिक से अधिक जन समस्याओं का निराकरण कर विभाग प्रभावी क्रियान्वयन एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें। संभागायुक्त श्री शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान -2026 में सरकार संवेदनशीलता के साथ नागरिकों की समस्याओं का समाधान उन्हीं के क्षेत्र में पहुँचकर कर रही है, ताकि नागरिकों को आपने कार्यो के लिए अलग - अलग कार्यालय नहीं जाना पड़े।संभागायुक्त ने कमिश्नर कार्यालय में बुधवार को समय - सीमा बैठक लेकर अधिकारियों को अभियान के सफल संचालन के लिए आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए. उन्होंने निर्देश दिए कि सभी संभागीय अधिकारी 7 अगस्त को संपन्न मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान शिविरों का विस्तृत फीडबेक लेकर आगामी शिविरों में विभागों के उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कार्य करें. शिविर में लंबित विभागीय सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों और आम जनता की शिकायतों का त्वरित निराकरण करने के साथ ही शासकीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन और लोक सेवाओं का समय-सीमा में प्रदाय सुनिश्चित करें. अभियान में जनता से संवाद, समाधान, संवेदनशीलता और सादगी के साथ अधिक से अधिक जन शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण करना है।संभागायुक्त द्वारा सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे जिले में सतत भ्रमण कर लंबित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों का निराकरण, लोक सेवा गारंटी अधिनियम अंतर्गत समय-सीमा से बाहर के लंबित प्रकरणों का

निराकरण, विभागीय संस्थाओं का निरीक्षण तथा विभागीय योजनाओं की गहन समीक्षा करना सुनिश्चित करें।समय- सीमा बैठक में जन-विश्वास अभियान अंतर्गत सम्मिलित किये गए 20 प्रमुख विषयों पर सघन कार्यवाही और शासकीय संस्थाओं आदि के प्रभावी निरीक्षण के निर्देश दिए गए। इसमें नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा के मामले, किसानों की फार्मर आईडी, आयुष्मान कार्ड, समग्र ई-केवाईसी, प्रधानमंत्री आवास योजना और जल जीवन मिशन की समीक्षा शामिल है। इसके अलावा आंगनवाड़ी, स्वास्थ्य केंद्र, स्कूल-कॉलेज, राशन दुकान, खाद-बीज की उपलब्धता, कानून व्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा पेंशन जैसी जनहितकारी योजनाओं के क्रियान्वयन का मैदानी स्तर पर पर्यवेक्षण किया जाए। अधिकारियों से कहा सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण में केवल संख्या आधारित उपलब्धि पर नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण समाधान पर विशेष ध्यान दिया जाए। सभी अधिकारी जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, शिकायतों के त्वरित निराकरण तथा विकास कार्यों की सतत निगरानी सुनिश्चित करें। संभागायुक्त श्री शर्मा ने सभी विभागों के नवाचारों, विभागीय उपलब्धियों एवं उत्कृष्ट कार्यो को समायोजित कर विभागवार बुकलेट तैयार करने के निर्देश दिए।

नगर परिषद राजनगर ने निकाली तिरंगा यात्रा

बारिश भी नहीं रोक पाई देश प्रेम को लोग हुऐ शामिल

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

राजनगर भारत सरकार के हर-जन हर घर तिरंगा अभियान के तहत

नगर परिषद राजनगर द्वारा तिरंगा यात्रा निकाली गई जिसमें नगर परिषद राजनगर के कर्मचारी जनप्रतिनिधि स्थानीय विद्यालयों के बच्चे भाजपा ,कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सहित महिलाएं एवं आम जनमानस शामिल हुआ जो नगर परिषद राजनगर से चलकर नगर का भ्रमण करते हुए भगत सिंह चौक पहुंची । तिरंगा यात्रा के दौरान हो रही तेज बारिश लोगों के राष्ट्र भक्ति के जज्बे आगे फीकी नजर आई जहां लोग भीगते पानी में तिरंगा यात्रा में शामिल होकर तिरंगा यात्रा को सफल बनाया तो कुछ ने पानी के कारण अपना किनारा कस लिया वही इस तिरंगे यात्रा में प्रेम नगर निवासी परी नमक युवती जो दोनों हाथों एवं पैरों से विकलांग है ने भी तिरंगे यात्रा में शामिल होकर अपने राष्ट्रभक्ति के जज्बे को प्रस्तुत किया

इस तिरंगा यात्रा में नगर परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी राम लखन पानी का, अध्यक्ष यशवंत सिंह उपाध्यक्ष धनंजय सिंह लेखपाल राजेश मिश्रा सहित भारतीय जनता पार्टी मंडल राजनगर के पदाधिकारी कार्यकर्ता आम जनमानस एवं विद्यालय के छात्र उपस्थित रहे

अमर नाथ महादेव मंदिर में "देष की षान तिरंगा" की तर्ज पर विद्यार्थियों ने सजाया दिव्य तिरंगा बंगला

भोलेनाथ की सामूहिक महाआरती से आलौकिक हुआ मंदिर परिसर

मथुरा- जनपद की प्रमुख शिक्षण संस्था अमर नाथ विद्या आश्रम के विद्यार्थियों ने पूर्ण जोश व उत्साह के साथ विद्यालय प्रांगण में स्थित प्राचीन एवं सिद्ध अमरनाथ महादेव मंदिर में श्रावण मास के द्वितीय सोमवार के पावन अवसर पर ''देश की शान तिरंगा'' की तर्ज पर आकर्षक तिरंगी बर्फ से भव्य एवं दिव्य बंगला सजाया। कार्यक्रम शिशु विभाग के नन्हें-मुन्ने बच्चों की फैंसी ड्रैस प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें बच्चों ने शिव, पार्वती, कृष्ण का रूप धारण किया । सभी बच्चे पुरस्कृत किये गये।

शिव मंदिर में भगवान अमरनाथ महादेव के समक्ष बच्चों ने सामूहिक स्वर में शंखनाद किया, जिससे पूरा मंदिर परिसर आलौकिक एवं दिव्य हो गया । इस अवसर पर संगीत विभाग की छात्राओं ने शिव स्तुति व भजन प्रस्तुत किये तथा सभी बच्चे भोलेनाथ की महाआरती में सम्मलित हुए ।

विद्यालय के प्रधानाचार्य ने बताया कि विद्यार्थियों ने जिस जोश व उत्साह के साथ पूरे मंदिर परिसर को आकर्षक बर्फ व फूल-पत्तियों से शानदार तरीके सजाया है वह प्रशंसनीय है। उन्होंने बताया कि विद्यालय में स्थित श्री अमरनाथ महादेव

मंदिर अत्यन्त प्राचीन एवं सिद्ध है। मंदिर में भगवान अमरनाथ महादेव, सिद्धिविनायक गणेश जी एवं संकटमोचक हनुमान जी महाराज विराजमान हैं, जिनके दर्शन मात्र से सभी कष्ट दूर हो जाते हैं । इस अवसर पर मंदिर में पधारे अभिभावकों ने अमर नाथ महादेव की पूजा अर्चना करते समय विद्यालय के प्रयासों की सराहना करते हुये कहा कि विद्यालय में बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ भारतीय संस्कार एवं संस्कृति का भी ज्ञान दिया जा रहा हैं । कार्यक्रम में चेष्टा, शौय, लव, अलीशा, यशस्वी, इशिका, श्रद्धा, नवम, पलक, युक्ति, विकास, राधिका, सात्विक, शहनवाज सहित सभी विद्यार्थियों का योगदान सराहनीय रहा । इस अवसर पर सुनील तिवारी, के.के. दीक्षित, स्कूल कोर्डिनेटर शुभम वाजपेयी, प्रशासनिक अधिकारी सुयश वाजपेयी, अनुराग शर्मा, असलम खान सहित सभी शिक्षकों, अभिभावकों आदि ने अमर नाथ महादेव के दर्शन कर पूजा की तथा विद्यार्थियों को आशीर्वाद दिया । मंदिर परिसर में अनुशान की व्यवस्था एन.सी.सी. के कैडेट ने संभाली । कार्यक्रम का समापन सामूहिक प्रसाद वितरण के साथ हुआ ।

अमरकंटक में नौ दिवसीय गूंजती रही श्रीराम कथा की अमृतधारा ,मनु-सतरूपा प्रसंग और माता कौशल्या के आदर्शों ने किया भावविभोर

कुमार गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अमरकंटक - मां नर्मदा की उद्गम स्थली / पवित्र पावन नगरी अमरकंटक स्थित मृत्युंजय आश्रम में चल रही नौ दिवसीय संगीतमय श्रीराम कथा महोत्सव श्रद्धा , भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ कथा का आज समापन हुआ । मृत्युंजय आश्रम परिसर में प्रतिदिन श्रद्धालुओं की उपस्थिति में श्रीराम नाम की अमृतधारा प्रवाहित होती रही । कथा के दौरान भजन , कीर्तन एवं श्रीराम जयघोष से संपूर्ण वातावरण भक्तिमय बना रहा ।

दिल्ली से पधारे प्रख्यात कथा वक्ता 'श्रीराम जी बापू' (पंडित रमाकांत मिश्र) ने व्यासपीठ से मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के दिव्य चरित्र , सनातन संस्कृति के आदर्शों तथा धर्म के मूल सिद्धांतों का अत्यंत भावपूर्ण एवं संगीतमय शैली में वर्णन किया ।

यह श्रीराम कथा 05 अगस्त 2026 दिन बुधवार (श्रावण कृष्ण पक्ष सप्तमी , अश्विनी नक्षत्र) से प्रारंभ होकर 13 अगस्त 2026 दिन गुरुवार (श्रावण शुक्ल प्रतिपदा , आश्लेषा नक्षत्र) तक निरंतर चली । समापन अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन , पूजन , पूर्णाहुति , कन्या पूजन , संत तथा ब्राह्मण प्रसादी का आयोजन किया गया ।

मनु-सतरूपा की भक्ति बनी भगवान के अवतार का कारण

कथा के दौरान श्रीराम जी बापू ने मनु-सतरूपा के अत्यंत मार्मिक और प्रेरणादायी प्रसंग का वर्णन करते हुए बताया कि जब

भगवान विष्णु मनु महाराज की तपस्या और भक्ति से प्रसन्न होकर उन्हें वरदान देने पहुंचे तब मनु महाराज ने भगवान के समान पुत्र प्राप्ति की कामना व्यक्त की ।

भगवान ने मुस्कुराते हुए कहा कि उनके समान पुत्र कहां मिलेगा , इसलिए वे स्वयं ही पुत्र रूप में अवतरित होंगे । इसके पश्चात भगवान ने माता सतरूपा से भी वरदान मांगने को कहा । सतरूपा ने वही इच्छा व्यक्त की जो मनु महाराज की थी । उनकी निष्काम भक्ति और समर्पण से प्रसन्न होकर भगवान ने उन्हें भी मातृत्व का दिव्य वरदान प्रदान किया ।

कथा व्यास जी ने कहा कि सच्ची श्रद्धा , निष्काम भक्ति और समर्पण भाव से की गई साधना कभी निष्फल नहीं जाती । भक्त जिस भाव से भगवान को स्मरण करता है , भगवान उसी भाव से उसकी पुकार स्वीकार करते हैं ।

माता कौशल्या के धैर्य, करुणा और मर्यादा का भावपूर्ण वर्णन

कथा के दौरान माता कौशल्या के आदर्श चरित्र का वर्णन करते हुए श्रीराम जी बापू ने कहा कि माता कौशल्या भारतीय संस्कृति में मातृत्व , त्याग , धैर्य और मर्यादा की सर्वोच्च प्रतीक हैं । जब कैकेयी के वरदान के कारण भगवान श्रीराम को वनवास जाना पड़ा , तब भी माता कौशल्या ने अपने धैर्य , संतुलन और सौम्यता को नहीं छोड़ा । उन्होंने कहा कि पुत्र-वियोग जैसी अत्यंत पीड़ादायक परिस्थिति में भी माता कौशल्या धर्म और मर्यादा के मार्ग से विचलित नहीं हुईं ।

उनका जीवन यह संदेश देता है कि विपरीत परिस्थितियों में भी मनुष्य को अपनी वाणी , व्यवहार और संस्कारों की गरिमा बनाए रखनी चाहिए ।

कथा व्यास ने कहा कि धैर्य ही वास्तविक शक्ति है और माता कौशल्या का चरित्र प्रत्येक परिवार एवं समाज के लिए प्रेरणास्रोत है ।

नैमिषारण्य की महिमा और वनवास प्रसंगों का वर्णन

श्रीराम जी बापू ने कथा के मध्य नैमिषारण्य की पवित्रता तथा भगवान श्रीराम की वनयात्रा से जुड़े अनेक प्रसंगों का भी वर्णन किया । उन्होंने भगवान द्वारा कंद-मूल और फलों के सेवन के प्रसंग के माध्यम से भारतीय जीवन दर्शन में सादगी , संयम , संतोष और प्रकृति के प्रति सम्मान की भावना को समझाया ।

उन्होंने संचित कर्म , प्रारब्ध कर्म और वर्तमान कर्म की विस्तृत व्याख्या करते हुए कहा कि मनुष्य का जीवन उसके कर्मों से निर्मित होता है ।

शासन को धोखे में रखकर छात्रवृत्ति लेने वालों के विरुद्ध पुलिस में प्रकरण पंजीबद्ध कर ले गई छात्रवृत्ति वसूल की जाए - कटारे

मध्य प्रदेश / भोपाल 07 अगस्त 2026

समाज के वरिष्ठ नेता दलित आदिवासी महापंचायत मध्य प्रदेश के ग्वालियर चंबल संभाग के प्रभारी दारा सिंह कटारे ने बताया है कि प्रदेश में छात्रवृत्ति का फर्जीवाड़ा और झूठे आय प्रमाण पत्र और झूठ किराये नाम के आधार पर छात्रवृत्ति और आवासीय भत्ता प्राप्त करने वालों के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कराकर ली गई छात्रवृत्ति की वसूली की जाए ज्ञात रहे की लखनलाल बमन्या शिक्षा विभाग में सहायक शिक्षक के पद पर रहते हुए इसके तीन बेटे और एक लड़की ने फर्जी आय प्रमाण पत्र के आधार पर और फर्जी किराए नामे के आधार पर छात्रवृत्ति और आवासीय भत्ता प्राप्त किया है इनके पिता लखन लाल बमन्या निवासी खनियाधाना जिला शिवपुरी अब सेवानिवृत हो चुके हैं इनको लगभग 70 से 80 हजार रुपए प्रतिमा का बेतन प्राप्त हुआ है तो फिर छात्रवृत्ति कैसे ले ली गई उसे समय छात्रवृत्ति के लिए चार लाख से अधिक नहीं होना चाहिए थी लेकिन उनकी आए तो बहुत ज्यादा थी उसके बाद भी छात्रवृत्ति ली है दारा सिंह कटारे ने कहा है की इतना ही नहीं इसके बड़े लड़के सत्येंद्र बामनिया ने छात्रवृत्ति ले लेकर बीएएमएस किया है तथा छोटे लड़के जितेंद्र बमन्या ने भी ग्रेजुएशन के साथ-साथ व्यवसायिक डिग्री ह्रद्रस्र या क्रश्वस्र किया है जो वर्तमान में प्राथमिक शिक्षक के पद पर जिला सिंगरौली में शिक्षा विभाग में पदस्थ है तथा छोटे लड़के पुष्पेंद्र बमन्या ने एक दो नहीं

दो दो तीन तीन व्यवसायिक पाठ कम से ग्रेजुएशन किया है और छात्रवृत्ति प्राप्त किया दोनों ने तथा आवासीय भत्ता भी प्राप्त किया है इन तीनों से एक बड़ी लड़की है जिसने ग्रेजुएशन के बाद एलएलबी किया है और छात्रवृत्ति प्राप्त किया है वरिष्ठ समाजसेवी दलित आदिवासी महापंचायत के मध्य प्रदेश के ग्वालियर चंबल संभाग के प्रभारी दारा सिंह कटारे ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति विभाग के प्रमुख सचिव तथा अनुसूचित जाति विभाग के आयुक्त के साथ-साथ शिवपुरी कलेक्टर और ग्वालियर कमिश्नर से गलत तरीके तथा गलत दस्तावेजों के आधार पर छात्रवृत्ति लेने वालों के विरुद्ध और आवासीय भत्ता लेने वालों के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज करने के साथ-साथ छात्रवृत्ति और आवासीय भत्ता की राशि वसूल करने की मांग की है

दारा सिंह कटारे
वरिष्ठ समाज सेवी एवं संभागीय प्रभारी
ग्वालियर चंबल संभाग
दलित आदिवासी महापंचायत मध्य प्रदेश
मोवा - 9993613838

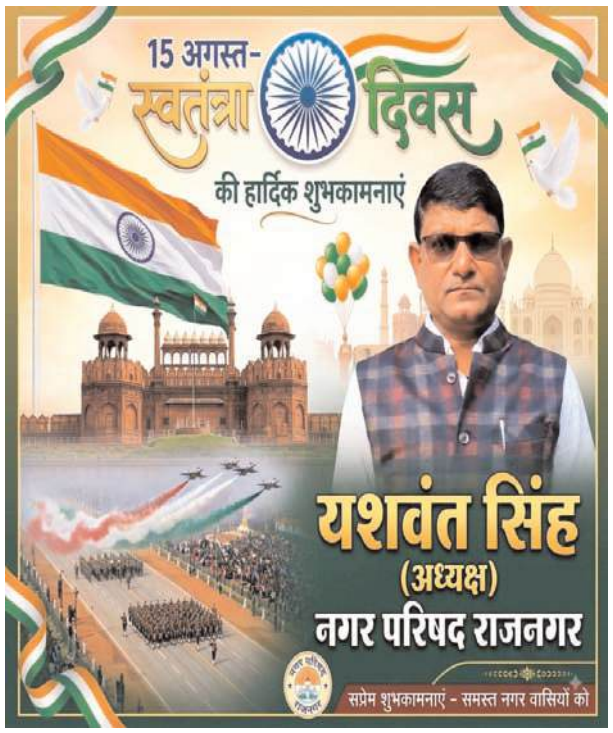
15 अगस्त-
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
यशवंत सिंह
(अध्यक्ष)
नगर परिषद राजनगर
सप्रेम शुभकामनाएं - समस्त नगर वासियों को

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
15 अगस्त
श्री चैन सिंह परस्ते
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद अमरकंटक
अमरकंटक नगर परिषद की ओर से

15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएँ
संजू गुप्ता
भारतीय जनता पार्टी (सीधी मंडल अध्यक्ष)

भारतीय संविधान की महानता, लोकतंत्र की अजेयता
एवं देश की एकता और अखंडता को समर्पित
गणतंत्र दिवस
की समस्त देशवासियों को हार्दिक
शुभकामना
यशवंत सिंह
अध्यक्ष - बनगवा नगर परिषद

15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
बिजुरी नगर परिषद
अध्यक्ष - श्रीमती सहबीन पनिका
जय हिन्द
वंदे मातरम

15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
देवेंद्र प्रताप सिंह
(सरपंच) -ग्राम पंचायत जगड़ा
राष्ट्र की एकता और अखंडता को नमन।

15 अगस्त,
स्वतंत्रता दिवस
स्वतंत्रता दिवस
अवसर पर
समस्त देशवासियों को
ढेर सारी शुभकामनाएं!
आओ, एक नए भारत
का निर्माण करें।
हेमराज कहार
ग्राम पंचायत कुदरी

15 अगस्त,
स्वतंत्रता दिवस
स्वतंत्रता दिवस
अवसर पर
समस्त देशवासियों को
ढेर सारी शुभकामनाएं!
आओ, एक नए भारत
का निर्माण करें।
गुलाब सिंह
ग्राम पंचायत रिमार (सचिव)
जय हिंद! #JaiHind #IndependenceDay2024

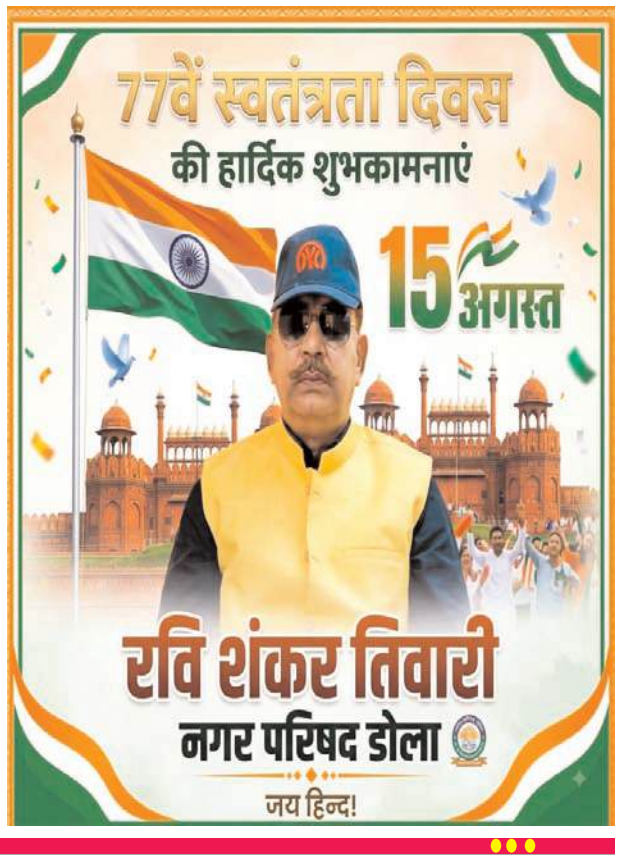
77वें स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
15 अगस्त
रवि शंकर तिवारी
नगर परिषद डोला
जय हिन्द!

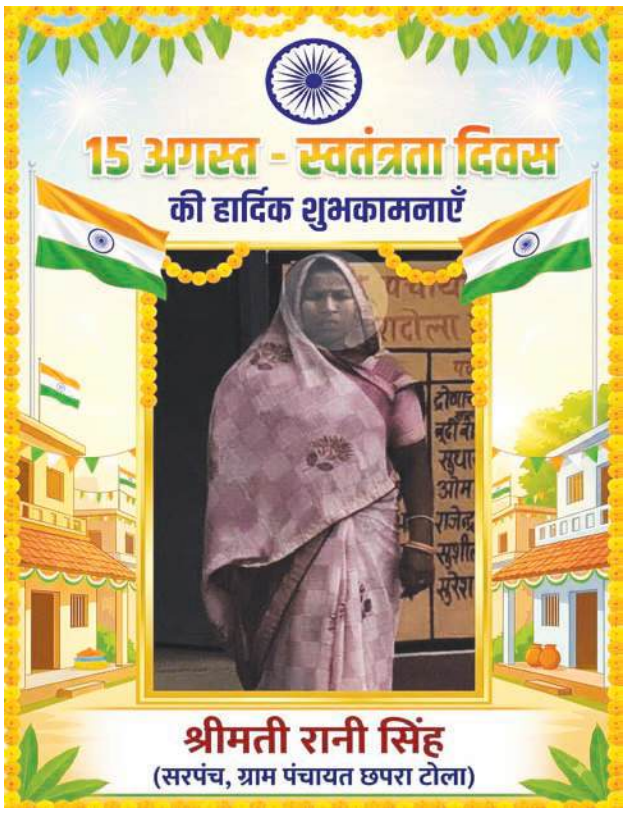

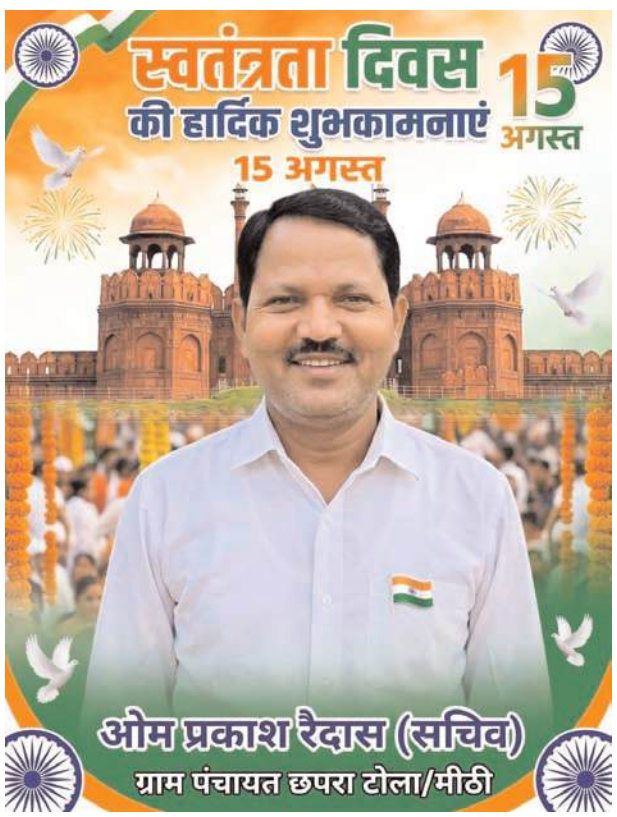

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड, तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। **संपादक** : नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)